अहर्म्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2015) | दिनांक 21.12.2015

द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

नवपदार्थ : जीव–अजीव – 40

प्र.1 किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए – 10

(जीव : किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) जीव का स्वरूप क्या है?

(ख) जीव को नायक क्यों कहा गया है?

(ग) मानव का क्या अर्थ है?

(घ) द्रव्यजीव व भावजीव में क्या अंतर है?

(अजीव : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(ङ) अखंड द्रव्य होते हुये भी धर्म, अधर्म व आकाश के विभाग कैसे हो सकते हैं?

(च) द्रव्य कितने हैं? उनमें अजीव कितने हैं?

(छ) काल का माप किस आधार से किया गया है?

प्र.2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें – 12

(जीव : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) जीव सशरीरी किस अपेक्षा से है?

(ख) सुविनीत व अविनीत किसे कहा है? ये भाव जीव कैसे है?

(ग) प्राण से क्या तात्पर्य है? जैन दर्शन में कितनी प्राणशक्तियाँ मानी हैं?

(अजीव : किसी एक प्रश्न का उत्तर दें)

(घ) पैंतालीस लाख योजन का क्रम क्या है?

(ड.) रूपी व अरूपी में क्या भेद है? अजीव द्रव्यों में कितने रूपी? कितने अरूपी?

प्र.3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें – 18

(क) जीव – भाव किसे कहते हैं? प्रकारों को विस्तार से समझायें।

'अथवा'

जीव के तेईस नामों का उल्लेख करते हुए बताएँ जीव को सत्व, रंगण, हिंडुक प्राण व पुद्गल क्यों कहा गया है?

(ख) अजीव – पुद्गल व पर्यायों के लक्षण कौन–कौन से हैं?

'अथवा'

काल का स्वरूप क्या है? व्याख्या करें।

अवबोध – जीव से संवर – 30

प्र.4 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक लाईन में लिखें – 8

(क) असंयमी को देने में पुण्य क्यों नहीं?

(ख) पर–परिवाद किसे कहते हैं?

(ग) देवता व नारक में संवर क्यों नहीं होता?

(घ) आश्रव में भाव कौन सा?

(ङ) तीस अकर्मभूमि के नाम लिखें।

(च) नौ तत्त्वों में रूपी–अरूपी कितनें?

(छ) पाप का अबाधाकाल कितना?

(ज) अयोग संवर कौन से गुणस्थान से शुरू होता है?

(झ) आत्मा के कितने प्रकार हैं?
(ञ) वर्गणा में चतुःस्पर्शी कितनी नाम लिखें।
(ट) पुण्य की स्थिति कितनी है?

प्र.5 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें – 12

(क) सम्यक्त्व संवर और व्रत संवर कौन से गुणस्थान से प्रारंभ होता है?
(ख) समनस्क व अमनस्क में क्या अंतर है? क्या अध्यवसाय अमनस्क जीवों के भी होता है?
(ग) काल की क्या परिभाषा है? लोक और अलोक किसे कहते हैं?
(घ) मिथ्यात्व क्या है? मिथ्यात्व आश्रव की जनक प्रकृत्तियाँ कौन–सी हैं?
(ङ) मनुष्य के 303 प्रकार किस प्रकार हैं समझायें।

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें – 10

(क) एकेन्द्रिय में जीवन है, इस संदर्भ में विज्ञान कहाँ तक पहुँचा है?
(ख) क्या आगम प्रमाणों से यह सिद्ध होता है कि आस्त्रव जीव है?
(ग) पाप की परिभाषा बताते हुये मृषावाद, रति–अरति, मिथ्या दर्शनशल्य की व्याख्या करें।
(घ) संस्थान किसे कहते हैं और उसके भेदों की व्याख्या करें?

अमृत कलश, भाग–3 (छठा, सातवां चषक–तप को छोड़कर) – 30

प्र.7 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें – 5

(क) तिरछे लोक में कौन रहते हैं?
(ख) निरवद्य योग का क्या अर्थ है? प्रवृत्तियाँ कौन सी हैं लिखें।
(ग) णमो सिद्धाणं का ध्यान किस रंग व केन्द्र पर किया जाता है?
(घ) अर्हत् वंदना का प्रारंभ कब और कहाँ पर हुआ?
(ङ) नमस्कार–महामंत्र में दीर्घ व हर्स्व अक्षर कितने हैं?
(च) सामायिक के नियमों की अवहेलना करते हुए मात्र गुनगुनाना कौन सा दोष है?
(छ) हम पांच भरतक्षेत्र में किस भरतक्षेत्र के मनुष्य हैं?

प्र.8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दो या तीन लाईन में दें – 10

(क) निसर्ग सम्यक्त्व से क्या तात्पर्य है?
(ख) तीर्थंकर शब्द का क्या अर्थ है? क्या केवलज्ञान प्राप्त करने वाले सभी तीर्थंकर कहलाते हैं?
(ग) अंतिम समुद्र का क्या नाम है? उसके बाद क्या है?
(घ) आवश्यक का क्या अर्थ है? आवश्यक सूत्र कितने अंग वाला है?
(ड.) सम्यक्त्वी मरकर कहाँ जाता है?
(च) अरहंत के गुण लिखें।
(छ) क्या लौकिक देवों की पूजा करने से सम्यक्त्व दूषित होता है? समझायें?

प्र.9 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें – 15

(क) रंगों का चुनाव किस आधार पर किया गया है? इनका शारीरिक स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ता है?
(ख) आचार्य की कसौटियों की व्याख्या करें।
(ग) श्रमणोपासक की जीवनशैली कैसी होनी चाहिए?
(घ) अंग उपांग किसे कहते हैं? बारह उपांगों के नाम लिखें।
(ङ) सामायिक में मन के दोषों की व्याख्या करें।